सर्वाधिक प्रसारित हिन्दी बाल मासिक
देवपुत्र
3, 71, 438
प्रसारण संख्या का विश्व कीर्तिमान रचने वाली
भारत की एकमात्र बाल पत्रिका

टन टन टन...

• डॉ. श्री प्रसाद

घंटी- बजी, आ गए बच्चे, कक्षा में सब जाओ रे।
शुरू पढ़ाई हुई सभी की, देरी कर मत आओ रे ।।
टन टन टन टन टन टन टन !

घंटी बजी, कर रहीं पूजा, ठाकुर जी की दादी रे।
सबको देती हैं प्रसाद वे, भरकर मुट्ठी आधी रे ।।
टन टन टन टन टन टन टन !

घंटी बजी, टिकट ले आओ, आने को है गाड़ी रे।
सात किलोमीटर चलने पर, आती एक पहाड़ी रे ।।
टन टन टन टन टन टन टन !

घंटी बजी जोर से, बच्चे खेल-खेल में भागे रे ।
देखें कौन दौड़ में रहता, इनमें सबसे आगे रे ।।
टन टन टन टन टन टन टन !

घंटी बजी, बैलगाड़ी की, बैल हिलाते गरदन रे।
बँधी गले में सुन्दर घंटी, सुनकर खुश होता मन रे।।
टन टन टन टन टन टन टन !

छोटी घंटी, बड़ी घंटियाँ, दफ्तर में हैं घंटी रे।
चली साइकिल, बजती घंटी, बजा रहा है बंटी रे।।
टन टन टन टन टन टन टन !

•वाराणसी(उ.प्र.)